# पोर्टफोलियो में शुगर स्टॉक्स भरेंगे मिठास

**क्या होगा आगे:** सरकार से राहत पैकेज मिलने के बाद हाल में शुगर स्टॉक्स में तेजी आई है, लेकिन एनालिस्टों का कहना है कि इनमें और तेजी की गुंजाइश बनी हुई है

[ नरेंद्र नाथन | मुंबई ]

**शुगर इंडस्ट्री** अरसे से रिवाइवल के लिए सरकारी मदद मांग रही थी, जो पूरी हो गई है। चीनी पर इंपोर्ट ड्यूटी 15 पर्सेंट से बढ़ाकर 40 पर्सेंट कर दी गई है। कच्ची चीनी के एक्सपोर्ट पर सितंबर तक सब्सिडी जारी रखने का ऐलान भी किया गया है। इससे डोमेस्टिक मार्केट में चीनी के दाम बढ़े हैं और इंडस्ट्री में जान लौटी है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इन कदमों से शुगर कंपनियों के स्टॉक्स पर पॉजिटिव असर हो सकता है।

इंटरनेशनल मार्केट में 2014-15 (अक्टूबर-सितंबर) शुगर सीजन में चीनी के महंगा होने की उम्मीद है। इससे भी शुगर कंपनियों में पैसा लगाने वालों को फायदा होगा। हालिया रिपोर्ट में प्लैट्स के जोनाथन किंग्समैन ने लिखा है कि 2014-15 में दुनिया भर में चीनी की कमी 21 लाख टन की रह सकती है। इससे पिछली रिपोर्ट में इसके 4 लाख रहने की बात कही गई थी। यूपी बेस्ड शुगर मिलों के पास अप्रैल में पेराई सीजन खत्म होने के बाद काफी चीनी पड़ी थी। उन्हें डोमेस्टिक मार्केट में चीनी के दाम बढ़ने से काफी फायदा हो सकता है। दाम बढ़ने से ये कंपनियां जो कमाई करेंगी, वह सीधा उनकी बैलेंस शीट में जाएगी। बलरामपुर चीनी मिल्स और बजाज हिंदुस्तान यूपी बेस्ड शुगर मिलें हैं।

## डोमेस्टिक डिमांड

कंजम्पशन बढ़ने से चीनी की मांग बढ़ रही है। मॉनसून में देरी से चीनी का प्रॉडक्शन इस साल पिछले साल की तुलना में कम रह सकता है। इंडिया इंफोलाइन के एनालिस्ट भावेश गांधी ने बताया, 'अगर मॉनसून रफ्तार नहीं पकड़ता तो आने वाले

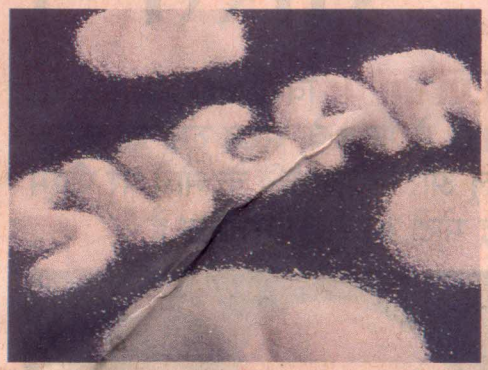

साल में शुगर प्रॉडक्शन में कमी आ सकती है।' गन्ना किसानों का मिलों पर 11,000 करोड़ रुपये बकाया है। इस वजह से किसान गन्ने की खेती में दिलचस्पी नहीं ले रहे, जिससे गन्ने की पैदावार कम हो सकती है। ईस्ट इंडिया सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट एस बारिया ने बताया, 'इस बार कम जमीन पर गन्ने की खेती हो रही है।' हालांकि सरकार ने चीनी मिलों को 4,400 करोड़ रुपये का इंटरेस्ट फ्री लोन देने का फैसला किया है। इसके लिए यह शर्त रखी गई है कि वे किसानों का पूरा पैसा चुकाएं। शुगर कंपनियों के लिए यह बड़ी राहत मानी जा रही है क्योंकि उनमें से ज्यादातर कर्ज के बोझ तले दबी हैं।

## लॉन्ग टर्म उपाय

सरकार ने पेट्रोल में एथनॉल ब्लेंडिंग की लिमिट 5 पर्सेंट से बढ़ाकर 10 पर्सेंट कर दी है। इससे भी शुगर इंडस्ट्री को फायदा होगा। हालांकि इसका असर लॉन्ग टर्म में दिखेगा। गन्ने की कीमत को चीनी के दाम को जोड़ने जैसे उपाय इंडस्ट्री के लिए गेम चेंजर साबित हो सकते हैं। जिन राज्यों में गन्ने की पैदावार ज्यादा होती है, उनमें से कर्नाटक और महाराष्ट्र इसका प्रस्ताव पास कर चुके हैं। यूपी भी इसे जल्द लागू कर सकता है। गांधी ने कहा, 'अगर गन्ने की कीमत को चीनी के दाम से जोड़ा जाता है तो यूपी बेस्ड कंपनियों को फायदा होगा क्योंकि उनकी लागत में गन्ने की कॉस्ट का कंट्रीब्यूशन ज्यादा है।'

## शुगर स्टॉक्स

शुगर कंपनियों का भविष्य अच्छा नजर आ रहा है, लेकिन इनके स्टॉक्स खरीदने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। उसकी वजह यह है कि अभी भी कई शुगर कंपनियां लॉस में हैं। श्री रेणुका शुगर्स और बजाज हिंदुस्तान को क्रमशः 466 करोड़ और 1,533 करोड़ का लॉस 2013-14 में हुआ था। वहीं बलरामपुर चीनी मिल्स को उस साल सिर्फ 3.64 करोड़ का प्रॉफिट हुआ था। एक्सपर्ट्स का कहना है कि रिप्लेसमेंट वैल्यू मेथड के हिसाब से बलरामपुर चीनी मिल्स के शेयर अभी भी सस्ते हैं। वहीं गाधी का कहना है कि इनवेस्टर्स को शुगर स्टॉक्स में करेक्शन का इंतजार करना चाहिए। अगर मौजूदा लेवल से ये स्टॉक्स 15-20 पर्सेंट नीचे जाते हैं, तभी उन्हें इनकी खरीदारी करनी चाहिए। हालांकि इनवेस्टर्स श्री रेणुका शुगर्स और बजाज हिंदुस्तान जैसे लार्ज कैप शुगर स्टॉक्स को होल्ड कर सकते हैं। उसकी वजह यह है कि रैली शुरू होने के बाद सभी कंपनियों के शेयरों में तेजी आएगी।

Economonine Times

28/7/14